तैयारी

नोएडा एयरपोर्ट से दो वर्ष में 90 हजार करोड़ पहुंचेगा गौतमबुद्धनगर की अपैरल इंडस्ट्री का कारोबार

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनेगा अमेरिकी निर्यात का नया गेटवे

संदीप वर्मा

यमुना सिटी। पिछले छह माह से टैरिफ के चलते रुका हुआ भारत से अमेरिका को उत्पादों का प्रभावित निर्यात अब टैरिफ कम होने के चलते दोगुनी रफ्तार से चल निकलेगा। इसमें नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का बना कार्गो दिल्ली-नोएडा का बड़ा गेटवे बनेगा। नोएडा की 55 हजार करोड़ की इंडस्ट्री के साथ यीडा क्षेत्र में बनने वाला अपैरल पार्क के साथ कुल 90 हजार करोड़ की इंडस्ट्री का लगभग 40 प्रतिशत निर्यात इसी नोएडा एयरपोर्ट से संभव हो सकेगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का एंट्री गेट। फाइल

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से अब जल्द ही कॉमर्शियल फ्लाइटों का आवागमन शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही जेवर स्थित नोएडा एयरपोर्ट पर बना कार्गो उत्तर भारत की कंपनियों के लिए निर्यात और आयात का साधन बनकर उभरेगा। सोमवार को ही अमेरिका ने भारतीय कंपनियों के उत्पादों पर टैरिफ में कमी की है। ऐसे में भारतीय उत्पादों के निर्यात की बड़ी संभावनाएं बनी हैं। दिल्ली-एनसीआर की कंपनियों से उत्पादों का निर्यात और उत्पाद इस कार्गो के माध्यम से उद्योगों के निर्यात का गेम चेंजर बनकर उभरेगा। उत्तर भारत की ऑटोमोबाइल, अपैरल उद्योग, मेडिकल डिवाइस कंपनियां समेत अन्य उद्योगों का बड़ा निर्यात नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से जाएगा। उत्तर प्रदेश का सबसे अधिक निर्यात नोएडा, ग्रेटर नोएडा से होता है। अब यमुना सिटी क्षेत्र में भी लगातार उद्योग लगने शुरू हो गए हैं। ऐसे में यहां से हवाई रास्ते से होने वाले लगभग 35 से 40 प्रतिशत निर्यात नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से होगा।

यमुना सिटी के अपैरल क्लस्टर में शुरू होंगे 150 से अधिक उद्योग : यमुना सिटी में नोएडा अपैरल यीडा एक्सपोर्ट क्लस्टर (एनएईसी) स्थापित हो रहा है। यह अपैरल पार्क नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बेहद करीब है। यह करीब 175 एकड़ में बन रहा है। इसके अलावा यमुना सिटी के बाहर लगभग 60 एकड़ क्षेत्र में भी अन्य उद्योग आ रहे हैं। इनमें करीब 150 से अधिक वस्त्र उद्योग लगने हैं। यहां से अधिकतर निर्यात एयरपोर्ट के माध्यम से होना है।